भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 2386#
गुरूवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना

2386# श्री प्रदीप कुमार वर्मा:
डा. के. लक्ष्मण:
श्री नरहरी अमीन:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रसाद योजना के अंतर्गत 1,646.99 करोड़ रुपये के कुल आवंटन के साथ संस्वीकृत 48 परियोजनाओं की प्रगति की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इन 48 परियोजनाओं का स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन पर अपेक्षित आर्थिक प्रभाव क्या है;

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत, विशेष रूप से यह देखते हुए कि 48 परियोजनाओं में से 23 पूरी हो चुकी हैं, उन सफल पहलों का ब्यौरा क्या है जिन्होंने तीर्थ पर्यटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है; और

(घ) पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने के प्रसाद योजना के उद्देश्य को प्राप्त करने में पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना किस प्रकार सहायक है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पर्यटन मंत्रालय, "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के अंतर्गत चिह्नित किए गए तीर्थ गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 48 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति **अनुबंध** में दी गई है।

(ख): प्रशाद योजना के अंतर्गत, अवसंरचना विकास एक समावेशी, एकीकृत और स्थायी तरीके से किया जाता है जो आजीविका, कौशल क्षमता, स्वच्छता, सुरक्षा, पहुंच और सेवा प्रदायगी पर फोकस करता है। यह योजना स्थानीय समुदायों के कौशल और क्षमता विकास को बढ़ाने और उनके बीच जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार सृजन में योगदान देती है।

(ग): प्रशाद योजना के तहत सफल पहलों/हस्तक्षेपों ने तीर्थ पर्यटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है और इस प्रकार तीर्थयात्री के अनुभव को समृद्ध किया है, जिसमें पर्यटक सुविधा केंद्रों, साउंड एंड लाइट

शो, बहु-मंजिला कार पार्किंग, समर्पित पार्किंग क्षेत्रों और घाटों आदि का विकास शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, सौर पैनल और सीसीटीवी प्रतिष्ठानों को स्थापित किया गया है।

(घ): भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के दिशानिर्देशों के तहत 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को विकसित करना और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग तथा मार्केटिंग करना है। यह योजना स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास और स्थायी पर्यटन परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करने की परिकल्पना करती है।

प्रशाद योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय चिह्नित किए गए तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

दोनों योजनाओं के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य अवसंरचना के विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाकर देश के पर्यटन परिदृश्य का विस्तार करना है।

****

अनुबंध

श्री प्रदीप कुमार वर्मा, डा. के. लक्ष्मण और श्री नरहरी अमीन द्वारा प्रसाद योजना के संबंध में दिनांक 20.03.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा लिखित प्रश्न संख्या 2386# के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची (दिनांक 10.03.2025 तक की स्थिति के अनुसार) **(करोड़ रु. में)**

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी राशि	भौतिक प्रगति%	वित्तीय प्रगति%
आंध्र प्रदेश	1	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	27.77	27.77	100%	100%
	2	श्रीसैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	43.08	100%	100%
	3	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वरी देवस्थानम में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	13.69	59%	25%
	4	अन्नावरम मंदिर शहर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024-25	25.33	-	0%	0%
अरुणाचल प्रदेश	5	परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88	31.02	92%	82%
असम	6	कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80	29.80	100%	100%
बिहार	7	पटना साहिब में विकास	2015-16	29.62	29.62	100%	100%
	8	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63	100%	100%
छत्तीसगढ़	9	मां बमलेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2020-21	48.44	40.19	90%	83%
गोवा	10	बोम जीसस बेसिलिका का विकास	2024-25	16.46	-	0%	0%
गुजरात	11	द्वारका का विकास	2016-17	10.46	10.46	100%	100%
	12	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	45.36	100%	100%
	13	सोमनाथ में सैरगाह का विकास	2018-19	47.12	47.12	100%	100%
	14	अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	10.54	35%	21%

हरियाणा	15	माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहिब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	34.68	74%	71%
जम्मू और कश्मीर	16	हजरतबल दरगाह में विकास	2016-17	40.46	34.30	100%	85%
झारखंड	17	बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास	2018-19	36.79	34.95	100%	89%
कर्नाटक	18	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0.00	0%	0%
केरल	19	गुरुवायूर मंदिर में विकास	2016-17	45.19	45.19	100%	100%
मध्य प्रदेश	20	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	34.73	89%	69%
	21	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93	100%	100%
महाराष्ट्र	22	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	45.41	29.93	93%	66%
मेघालय	23	नोंगस्वालिया चर्च, नर्तियांग शक्ति पीठ, ऐतनार पूल और चरणतला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.29	27.78	100%	95%
मिजोरम	24	चिते वांग, जुआंगताई, रइक और आइजोल में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.89	13.18	29%	29%
नागालैंड	25	मोलुंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, ऐजुतो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	23.56	100%	93%
	26	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	15.45	72%	85%
ओडिशा	27	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00	-	20%
पंजाब	28	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	6.40	100%	100%
	29	चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	17.49	79%	55%
राजस्थान	30	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11	100%	80%
	31	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर का विकास	2024-25	22.58	-	0%	0%
सिक्किम	32	फोर पेट्रन सेंट, युकसोम में तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31	87%	85%
तमिलनाडु	33	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99	100%	100%

	34	वेलंकन्नी का विकास	2016-17	4.86	4.86	100%	100%
तेलंगाना	35	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90	33.07	72%	85%
	36	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	32.73	37%	53%
	37	भद्राचलम में तीर्थ अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	8.43	29%	20%
त्रिपुरा	38	त्रिपुर सुंदरी मंदिर का विकास	2020-21	34.43	28.01	79%	81%
उत्तर प्रदेश	39	वाराणसी का विकास -चरण-I	2015-16	18.73	18.73	100%	100%
	40	मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98	100%	100%
	41	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02	100%	100%
	42	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36	100%	100%
	43	वाराणसी का विकास -चरण-II	2017-18	44.60	31.77	100%	71%
	44	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97	100%	78%
उत्तराखंड	45	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77	100%	100%
	46	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	38.38	85%	68%
	47	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार	2021-22	54.36	10.22	100%	18%
पश्चिम बंगाल	48	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39	100%	78%

****